मेसर्स कोरबा वेस्ट पॉवर कंपनी लिमिटेड द्वारा ग्राम बड़े भण्डार, छोटे भण्डार, सरवानी एवं अमलीभौना, तहसील – पुसौर, जिला – रायगढ़ (छ.ग.) के अन्तर्गत क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित–1X600 मेगावॉट कोल बेस्ड थर्मल पॉवर प्लांट (द्वितीय चरण) के पर्यावरणीय स्वीकृति के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई दिनांक 09.02.2012 का कार्यवाही विवरण

मेसर्स कोरबा वेस्ट पॉवर कंपनी लिमिटेड द्वारा ग्राम बड़े भण्डार, छोटे भण्डार, सरवानी एवं अमलीभौना, तहसील – पुसौर, जिला – रायगढ़ (छ.ग.) के अन्तर्गत क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित–1 X 600 मेगावॉट कोल बेस्ड थर्मल पॉवर प्लांट (द्वितीय चरण) के पर्यावरणीय स्वीकृति के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई दिनांक 09.02.2012 स्थान – शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बड़े भंडार का मैदान, तहसील–पुसौर, जिला रायगढ़ में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रायगढ़ पदेन अपर कलेक्टर, जिला –रायगढ़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रायगढ़ द्वारा प्रातः 11.00 बजे लोक सुनवाई की कार्यवाही प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में सहायक कलेक्टर, जिला – रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी।

लोक सुनवाई में लगभग 1400 लोगो का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 58 लोगों ने हस्ताक्षर किये। मौखिक वक्तव्यों को लिपिबद्ध किया गया।

लोक सुनवाई उद्योग प्रतिनिधि के द्वारा परियोजना के प्रस्तुतीकरण से प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम उद्योग की ओर से कंपनी प्रतिनिधि श्री अजीत कुमार चोपड़े, महाप्रबंधक द्वारा बताया गया कि 16.8 मिलियन घन मीटर पानी महानदी से लिया जायेगा। कोयला एस.ई.सी.एल. से लिया जायेगा। 35 प्रतिशत विद्युत छत्तीसगढ़ शासन को तय की गई दर पर दी जायेगी। वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु ई.एस.पी. लगाया जायेगा। भूमि क्रय अंतर की राशि कृषकों को प्रदान कर दी गई है। सामुदायिक विकास के अंतर्गत , तालाब गहरीकरण, पचरी निर्माण, सी.सी. रोड निर्माण इत्यादि कार्य किये गये है। पशुपालन, सिलाई प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है विकलांग व्यक्तियों को ट्राई साइकिल वितरित किया गया है। महिला एवं शिशु विकास हेतु कार्य किए जा रहे है। 750 क्षेत्रीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। 43 नवयुवकों को आई.टी.आई. में तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है तत्पश्चात् रोजगार प्रदान किया जायेगा। 14 इंजीनियर इसी राज्य से लिया गया है जो प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 10 करोड़ से ज्यादा खर्च सी.एस.आर. के अंतर्गत किया जा चुका है। दूसरे परियोजना हेतु 60 व्यक्तियों को प्रशिक्षण हेतु आई.टी.आई. भेजा जायेगा। श्री जे. कुमार, पर्यावरण सलाहकार, जे.एम. इन्वायरो नेट प्राईवेट लिमिटेड, द्वारा बताया गया कि वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ई. एस.पी. लगाया जायेगा। जिससे उत्सर्जन 50 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर से कम होगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार चिमनी की उंचाई 275 मीटर होगी। नाइट्रोजन आक्साइड को रोकने के लिए बर्नर का प्रयोग किया जायेगा। धूलकणों के फैलाव को रोकने के लिए कन्वेयर बेल्ट को ढका जायेगा। कोयला परिवहन क्षेत्रों में पानी छिड़काव की व्यवस्था की जायेगी तथा उत्सर्जित गैसों का नियमित परीक्षण किया जायेगा। हरित पट्टी के विकास के लिए पेड़ लगाया जायेगा। कूलिंग टावर, ब्लो डाउन, डी.एम. वाटर, फिल्टर वाटर आदि द्वारा व्यर्थ जल को डायलूट कर उपयोग किया जायेगा। सभी उपचारित जल को तालाब में एकत्रित किया जायेगा जिसका उपयोग धूल डस्ट के छिड़काव एवं वृक्षारोपण में उपयोग किया जायेगा। घरेलू दूषित जल के पानी को उपचारित कर छिड़काव हेतु उपयोग किया जायेगा। शोर का

स्तर 90 डीबी से कम करने हेतु आवश्यक उपाय किए जायेंगे। साइलेंशर लगाया जायेगा। संयंत्र से उत्पन्न राख को साइलो में रखा जायेगा। अधिक राख उत्पन्न होने पर एश डाईक में भेजा जायेगा। राख के उपयोग हेतु आसपास के सीमेंट प्लांटों जैसे अंबुजा, अल्ट्राटेक को दिया जायेगा। सभी कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण प्रदान किया जायेगा। प्रदूषण मानक स्तर से अधिक नहीं होगा इसकी निगरानी रखी जायेगी। ई. आई. ए. कंसलटेंट ने प्रस्तावित परियोजना से होने वाले प्रदूषण नियंत्रण, जल की आवश्यकता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्थानीय लोगों को रोजगार, सामुदायिक विकास कार्य आदि के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रायगढ़ द्वारा उद्योग प्रतिनिधि को जन सुनवाई के दरम्यान उठायी गई आपत्तियों, टीकाटिप्पणी को नोट करने तथा उन्हें कार्यवाही के अंत में बिन्दुवार स्पष्ट जानकारी देने का निर्देश दिया गया। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जिस पर निम्नानुसार 219 व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये –

सर्वश्री –

1. श्री दिलीप पाण्डेय, जिला पंचायत सदस्य, तपरदा – दिनांक 03.10.09 को इस परियोजना की प्रथम लोक सुनवाई हुई थी। चारों गांव के जन प्रतिनिधि उपस्थित थे। कंपनी ने अपने किए गए वादों को पूरा किया और बहुत कुछ किया जाना शेष है। लैंड लूजर की जमीन पर औद्योगिक इकाई स्थापित की गई है उनके रोजगार की समुचित व्यवस्था अभी तक नहीं हो पाई है। मैं मांग करता हूं कि मार्च 2012 तक लैंड लूजर को शासन की योजना के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराये। लोहरसिंग में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जानी थी उसकी पहल अभी तक नहीं की गई है। इसे जल्द प्रारंभ किया जाये। जो होना चाहिए और जो किया जा रहा है उसके बीच की खाई कम होनी चाहिए। 5 कि.मी. की परिधि में पानी की टंकी का विस्तार किया जाना चाहिए। 100 प्रतिशत जच्चा–बच्चा को सुरक्षा प्रदान करें। कंपनी में 1 एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है और 2 एम्बुलेंस की व्यवस्था की जानी चाहिए। शिक्षा हेतु शिक्षकों की व्यवस्था करने की पहल करें। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु औद्योगिक प्रबंधनों का योगदान क्षीण है। कृषि के क्षेत्र में आसपास के क्षेत्रों में मेनपावर की कमी हो रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने में भी योगदान दें। उन्नति कृषि के लिए, मशरूम उत्पादन, पशुपालन हेतु प्रशिक्षित किया गया है। केवल 29 परिवार को ही प्रशिक्षण दिया गया है और परिवारों को भी प्रशिक्षित किया जाये। ग्रीनबेल्ट डेवलपमेंट में और अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। महानदी के पानी का दोहन हेतु कलमा में बरॉज निर्माण किया जा रहा है इसके नीचे गांव प्रभावित न हो ऐसे प्रयास किया जाना चाहिए। आर.एंड आर की नीति का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। लैंड लूजर को तकनीकी प्रशिक्षण देकर रोजगार दिया जाये। इसके बावजूद यदि लैंड लूजर बचते हैं तो उसे शॉपिंग कॉम्पलेक्स में दुकान देकर रोजगार प्रदान किया जाना चाहिए। तकनीकी शिक्षा 43 को दी गई है और 60 को दी जानी है जो कि बहुत कम है। आंशिक प्रभावित ग्रामों में भी अधोसंरचना विकास का कार्य किया जाये। भूजल स्तर को मेंटेन करने की आवश्यकता है।
2. आकाश मिश्रा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष, बुनगा, खरसिया– पहले भी कंपनी की जन सुनवाई की गई थी। उसमें कहा गया था कि स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जायेगा। मैं कपनी को निवेदन करता हूं कि कंपनी में अधिक से अधिक संख्या में युवा वर्ग को रोजगार दिया जाये। हमारे क्षेत्र में सी.एस.आर. के अंतर्गत शासन के नियमानुसार कार्य कराये। क्षेत्र का विकास करेंगे तो हम कंपनी का साथ देंगे।

3. पंचानंद गुप्ता, बड़े भंडार– किसानों को जो सुविधा मिलनी चाहिए, मिल रहा है। लेकिन उसमें कुछ खामिया लग रही है। कंपनी के कॉलोनी को जो सुविधा मिलेगी, वह सुविधा गांवों को भी मिलनी चाहिए। जगन्नाथ मंदिर के निर्माण में सहयोग करने की बात हुई थी उस कार्य को पूरा करायें। समय–समय पर आने वाली समस्याओं का निदान भविष्य में कंपनी करते रहे। मैं कपनी से यही आशा करता हूँ।

4. प्राण पाण्डेय, तपरदा – किसानों के लिए प्रशिक्षण और आसपास शांकम्भरी योजना, फूलों की खेती के लिए कंपनी द्वारा शुरूआत की गई थी जो अभी तक नहीं हो पाई है। गांव में धान की खेती के लिए अभी से पानी की कमी होनी शुरू हो गई है। इसके लिए पहल करें तो किसानों के समर्थन कंपनी को मिलेगा और मिलता रहेगा। हम समर्थन करेंगे। यहां आसपास अच्छी लाइब्रेरी नहीं है। कंपनी द्वारा अच्छी लाइब्रेरी बनाया जाये।

5. विनोद कुमार चौधरी, कठली – कोरबा वेस्ट के आगमन से हमारे गांवों का विकास हुआ है। लोगों को रोजगार मिला है। क्षमता में वृद्धि होने से और लोंगों को रोजगार का अवसर मिलेगा। कंपनी द्वारा शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास तथा पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करे यही हमारी आशा है।

6. रामगोपाल पटेल, जतरी – हमारे गांव में अधूरे काम को पूर्ण करें। आसपास के जो भी शिक्षित बेरोजगार है, उन को रोजगार देवें।

7. सचिन तिवारी, उपसरपंच, जतरी – हमारे गांव में जो रोड बनाया जा रहा है वह अधूरा है उसे पूरा किया जाये। गांव के स्कूल में बांउड्रीवाल की आवश्कयता है उसकी व्यवस्था की जाये। विद्युतीकरण भी कराये।

8. गंगानारायण पटेल, छोटे भंडार– कंपनी के आने से गरीब किसान खुश हैं क्योंकि काम का पेमेंट जल्दी कर देते हैं। रोड किनारे पानी भर जाता है उसे ठीक करायें।

9. नरेश कुमार अग्रवाल, सूपा – कंपनी के अधिकारी जो काम पूरा हुआ हो उसी का ही घोषणा करें, झूठा घोषणा नहीं करें।

10. नरेश तिवारी, जतरी – कोरबा वेस्ट द्वारा निश्चित ही आसपास के क्षेत्र में विकास के कार्य किए गए हैं। जैसे सीसी रोड, पानी की टंकी आदि। जनता खुश है। लैंड लूजर को नौकरी देने का वादा किया था। 2 साल गुजरने के बाद बहुत कम लोगों को नौकरी मिल पाई है। लैंड लूजर को जल्द से जल्द योग्यतानुसार नौकरी में लें। हमारा गांव सीमावर्ती क्षेत्र में आता है। पर्यावरण को टेक्नीकल दृष्टि से दूर कर दिया जायेगा। सामाजिक प्रदूषण बढ़ा है। पढ़े लिखे नौजवानों को नौकरी में मौका दें। अन्य ठेकेदारी संबंधी कार्यों में आसपास के लोगों को भी मौका दिया जाये। पिछले जनसुनवाई में मेडिकल कॉलेज खुलने को कहा गया था उसे भी जल्दी पूरा करें। आसपास में कहीं भी केजी–1 से 12वीं तक अच्छे स्कूल का संचालन कंपनी करें। विकास कार्य अधूरे पड़े हुए हैं उसे भी जल्द से जल्द कंपनी पूरा करे। 600 मेगावाट को प्रोजेक्ट बन रहा है उसे मैं सशर्त समर्थन देता हूं।

11. मकरध्वज पटेल, सरपंच, खोखरा – हमारे गांव में तालाब गहरीकरण कार्य किया गया है जो बहुत अच्छा है। लेकिन पचरी का कार्य किया गया है उसका पैसा आज तक नहीं मिल पाया है। जल के लिए ट्यूबवेल का कार्य किया गया है उसके लिए टंकी निर्माण नहीं हो पाया है। जो अधूरा काम है उसे पूरा करें। ठेकेदारों को जो काम दिया जा रहा है उस काम को हम गांव वालों को दिया जाये। हमारे गांव के स्कूलों का अहाता निर्माण करें।

12. बसंत प्रधान, बड़े भंडार – पूर्व में त्रिकोणीय बैठक कलेक्टर महोदय के चेंबर में की गई थी। 16 बिंदु रखी गई थी उसे कंपनी द्वारा पहल कराया जाये। फिर हम इसका स्वागत करते हैं।
13. रूद्र कुमार प्रधान, बड़े भंडार– कोरबा वेस्ट ने बहुत अच्छा काम किया है और आगे भी करेगा। इसी आशा के साथ मैं कंपनी का समर्थन करता हूं।
14. ओमप्रकाश गुप्ता, बड़े भंडार – कंपनी के आने से यहां की आर्थिक स्थिति में विकास हुआ है। नवयुवकों को रोजगार का अवसर मिला हैं। कंपनी का समर्थन करता हूं।
15. पंकज नन्दे, कलमा – कोरबा वेस्ट कंपनी द्वारा गांव में बहुत विकास कार्य हुए हैं और कार्य हो रहे हैं। हमारे गांव में सामुदायिक भवन, स्कूल भवन में बांउड्रीवाल निर्माण कार्य कराये और स्थानीय लोगों को रोजगार मिले । कंपनी का हम समर्थन करते हैं।
16. चंद्रेश कुमार साव, बड़े भंडार – हमारे गांव के प्रोगेस में साथ दिया है। जॉब अपॉर्चनिटी मिल रही है। जिनको जॉब नहीं मिला है उसे जॉब दें। समर्थन।
17. रामभरोस मैत्री, बड़े भंडार – मुझे योग्यतानुसार नौकरी दिया है। समर्थन।
18. पलाउराम गुप्ता, बड़े भंडार– हमारे गांव की चारागाह, शमशान घाट, गौचर बिंदु पर विशेष ध्यान दिया जाये। जमीन उपलब्ध नहीं होने पर हम कहां रहेंगे ? शासकीय जमीन हमे अति आवश्यक है। हमारे गांव के पेड़–पौधों की कटाई हो गई हैं खाना बनाने के लिए लकड़ी समाप्त हो गई है। कंपनी हमारे गांव को बिजली प्रदान करें। मिट्टी फीलिंग की गई है जिससे गांव में बाढ़ आ सकती है। बेरोजगार को रोजगार दिया जाये। ये सब सुविधा होनी चाहिए। कंपनी का हम स्वागत करते हैं।
19. भानुप्रताप बुधिया, राष्ट्रीय एकता परिषद सदस्य, रायगढ़ – जल, जंगल जमीन बचाने हेतु हम आंदोलन कर रहे हैं। कितने का रोजगार छीना गया है और कितने को रोजगार दिया गया है? प्रस्तावित परियोजना में कितने उद्योग व खदान संचालित है तथा इससे सामूहिक रोजगार पर क्या प्रभाव पड़ेगा? स्थानीय आदिवासी एवे भूमिहीनों के लिए कितना मुआवजा तय किया गया है?
20. यशवंत प्रधान, बड़ेभंडार – हमारे मांग पर पहल कर उसे पूरा करें और कंपनी का समर्थन ।
21. चक्रधर साव, बड़े भंडार– कंपनी अच्छा कार्य कर रही है। और आगे भी अच्छा कार्य करें।
22. बालमुकुंद चौधरी, छोटे भंडार– मुझे योग्यतानुसार रोजगार दिया गया है। कंपनी का समर्थन।
23. अश्विनी कुमार गुप्ता, युवा कांग्रेस सदस्य, – युवा पीढ़ी को रोजगार दें। समर्थन।
24. हिरेन्द्र कुमार मैत्री, बुनगा – हमारे गांव में पढ़े लिखे युवा को रोजगार दिया जाये। समर्थन।
25. आशीष मिश्रा, बुनगा – कंपनी द्वारा जो विकास कार्य किए गए है उससे मैं खुश हूं। और चाहता हूँ कि गांव में अधिक से अधिक विकास कार्य करें। समर्थन।
26. राजकुमार, भारतीय जनता युवा मोर्चा, रनभांठा – कंपनी द्वारा सी.एस.आर. में जो काम किया गय है। वह बहुत अच्छा है। ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिले। कंपनी का मैं स्वागत एवं समर्थन करता हूं।
27. जगन्नाथ प्रधान, रनभांठा – कंपनी द्वारा किये गए कार्य अच्छे से हो रहा है। गांव में कांक्रीटिंग कार्य किए गए हैं। वह भी अच्छी तरह से किया गया है। स्कूलों में कई रिक्त पद हैं उसे कंपनी उपलब्ध करायें। स्वागत एवं समर्थन।
28. गोवर्धन यादव, बड़ेभंडार– कंपनी का समर्थन।

29. राजेश कुमार श्रीवास, बड़े भंडार— कंपनी के आने से हमारे गांव में विकास हुआ है। समर्थन।
30. परदेशी रात्रे, रनभांठा — कंपनी के द्वारा हमारे गांव में सीएसआर के माध्यम से जो कार्य किया गया है, वह सराहनीय है। समर्थन।
31. रामेश्वर मैत्री, बड़ेभंडार — समर्थन।
32. पिंटू साव, बड़े भंडार— समर्थन।
33. सुशील बरेठ, बड़ेभंडार— समर्थन।
34. सीताराम सारथी, बड़ेभंडार— रोजगार मिले। समर्थन।
35. अश्वनी नायक, सुर्री — समर्थन। कंपनी ने गांव में जो बोर किया है उसका टंकी निर्माण आज तक नहीं हो पाया है उसे जल्द से जल्द पूर्ण करें। हमारे गांव में तालाब खनन का कार्य है उसे भी करायें।
36. फूलमाली सिदार, बड़ेभंडार— समर्थन।
37. नकुल कुमार मैत्री, बुनगा — कंपनी आकर हमारे छ.ग. का जमीन बहुत बर्बाद कर रहे हैं।
38. रमेश कुमार साव, बुनगा— हमारे क्षेत्र जनपद पंचायत क्रं. 19 में आता है। हमारे क्षेत्रका विकास धर्म है।
39. रामेश्वर पटेल, छोटे भंडार— कंपनी जिस दिन से आया है उस दिन से हमारे क्षेत्र का विकास हुआ है। बेरोजगार को रोजगार मिल रहा है। तालाब का गहरीकरण कार्य किया गया है। हमारे प्रायमरी स्कूल में अहाता निर्माण का मांग कर रहा हूं। समर्थन।
40. घसियाराम सिदार, सरवानी — पहले जनसुनवाई में हमारे 4 गावं के लोग समर्थन कर चुके हैं। हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ हैं, विकास हुआ है हम खुश है। रोड को पूरा करने की कृपा करें। हमारी जमीन चली गई है हमारे पशु के लिए चारागाह नहीं है। शमशान घाट कंपनी के अंदर है। मैं निवेदन करता हूँ कि हमारे निस्तार की भूमि खत्म हो गई है। गांव में प्रत्येक घर में सेप्टिक की आवश्यकता है। गांव के लोगों के लिए रास्ता की मांग है जिससे गांव वाले कंपनी में आकर काम कर सके। समर्थन।
41. रामकुमार पटेल, कलमा जिला—जांजगीर—चांपा — कंपनी के आने से गांव का विकास हो रहा है। हमारा गांव बाढ़ की समस्या से जूझता है। 80 प्रतिशत मकान क्षतिग्रस्त हो चुका है। हमारे गांव के लोगों के लिए पक्का मकान कंपनी बनवाये। समर्थन।
42. विदेशी भैना, सरपंच, कलमा — समर्थन।
43. भरत लाल सिदार, बुनगा — गांव में मशरूम उत्पादन एवं मुर्गीपालन हो रहा है। हमारे गांव का स्कूल जर्जर है, अहाता जर्जर है, उसे बनाया जायें। पानी टंकी भी बनाया जाये। समर्थन।
44. तिलक राम पटेल, अमलीपाली— कंपनी का स्वागत करता हूं।
45. छतराम सिदार, कोतमरा — समर्थन।
46. लुकांती मैंत्री, बुनगा — मैं स्कूल में पढ़ाती हूं। प्रथम संस्था में बुनगा को भी जोड़ा जाये।
47. शशि किरण मैत्री, बुनगा — प्रथम संस्था में बुनगा को जोड़ा जाये।
48. काजल राणा, चदंली — प्रथम संस्था में बुनगा को जोड़ा जाये।
49. शकुंतला रजक, रनभांठा — प्रथम संस्था में बुनगा को जोड़ा जाये। समर्थन।
50. मीना यादव, कोदमरा — यह संस्था चलती रहे। कोरबा वेस्ट का सहयोग मिलता रहे।
51. बासमंती पटेल, अमलीपाली — प्रथम संस्था में पढ़ाती हूँ। बच्चों की गुणवत्ता में सुधार लाती हूँ। कंपनी का सहयोग मिलता रहे। समर्थन।

52. सालिक राम डनसेना, सेमरा – कमजोर बच्चों के विकास के लिए काम करता हूॅं। 8 स्कूल में विज्ञान कार्यक्रम चलता है, इसका और प्रसार हो। यह संस्था कंपनी के माध्यम से चलता है। समर्थन।
53. अरविंद पटेल, उपसरपंच, सेमरा – हमारे गांव में तालाब गहरीकरण किया गया है , पेयजल किया है। समर्थन।
54. जशकेतन पटेल, छोटे भंडार – समर्थन।
55. मुक्तेश्वर निषाद, छोटे भंडार – स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाया जा रहा हैं उसका मैं समर्थन करता हूं।
56. अरविंद होता, बुनगा – समर्थन।
57. भरत लाल सिदार, बड़ेभंडार – कंपनी में जमीन गया है। 3 साल से काम करते आ रहा हूं। सभी इंजीनियर मुझे एक नजर से देखते हैं और देखते आयेंगे।
58. वासुदेव साव, बड़ेभंडार – योग्यतानुसार मैं कंपनी में इलेक्ट्रिीशियन हूं। समर्थन।
59. आनंद राम सिदार, बुनगा – मुझे नौकरी चाहिए।
60. अरविंद सिदार, बुनगा – हर बेरोजगार को रोजगार दें। समर्थन।
61. रूकमण सिदार, बोंदा – प्रथम संस्था की ओर से शिक्षा के लिए अपने गांव में कार्य कर रहा हूं। गांव का स्कूल टूटा फूटा हुआ है उसकी मरम्मत की जाये। टंकी भी बनाया जाये। समर्थन।
62. रतन कुमार भारती, बरपाली – प्रथम संस्था में 2 वर्ष से जुड़ा हूं। सांईस प्रोग्राम बच्चों के लिए लाभदायक हो रहा है। कुछ स्कूलों में नहीं चल रहा हूं। यह कार्यक्रम वहां भी चले। समर्थन।
63. किशोर कुमार साव, बड़ेभंडार– बेरोजगारों को रोजगार मिले। यह मेरा अनुरोध है। स्वागत है।
64. महेश्वर सिदार, बड़े भंडार– समर्थन।
65. भागीरथी सारथी, बड़े भंडार – समर्थन।
66. विक्की प्रधान, बड़े भंडार – समर्थन।
67. रविकुमार पटेल, रतनपुर, जिला–बिलासपुर – कर्मदक्ष संस्था से 3 साल से काम कर रहा हूं। संस्था द्वारा मुर्गीपालन एवं वृक्षारोपण का काम कर रहा है। समर्थन।
68. दुजोत्तम दुबे, सुर्री – बेरोजगारों को योग्यतानुसार नौकरी दी जायें। विकास कार्य ठीक है। समर्थन।
69. समारू, बड़ेभंडार – मेरा मकान नहीं है। इसके लिए कुछ सुविधा दें।
70. दयानंद पटेल, कोतासुरा – कंपनी का मैं विरोध करता हूं। यह विकास नहीं विनाश कर रहे हैं। जापान में जो घटना हुआ वह घटना बड़े भंडार में होगा। क्षेत्रीय लोगों का विनाश कर रहे हैं उसका विकास नहीं कर रहे हैं। लोगों को खरीदकर लाते हैं और कहते हैं समर्थन है। क्षेत्रीय लोग आज एक होकर कंपनी का विरोध करो। रायगढ़ क्या पूरे छ.ग. में लोगों का जीना दुशवार हो जायेगा ? 33 प्रतिशत वनभूमि संरक्षण के लिए रखेंगे जो 28 प्रतिशत हो गया है। कार्बन डाई आक्साइड बढ़ रहा है। ओजोन परत में छेद हो गया है। पराबैगनी किरण हमारी छाती में पहुंचेगा। लेबर काम मांगने जाते हैं तो उसे पीटा जाता है। पुलिस को अपने पक्ष में कर रखा है। कोरबा वेस्ट अमीरों का भारत वाली कंपनी है। सीएसआर में दो–चार गांव में जो काम किया गया है वह बेकार है। विधायक क्यों नहीं आते ? वह अपनी जवाबदारी से भागते हैं। यहां पर्यावरण प्रदूषण हो चुका है। मेरे गांव व क्षेत्रीय 50 लोग बॉयलर में काम मांगने गए थे उसे काम में नहीं रखा गया। बिहार के लोगों को रखा गया है। 3 फरवरी को बुरी तरह से हमारे लोगों को मारा गया। पुलिस में बताया गया तो पुलिस हमारा साथ नहीं दिया।

रिपोर्ट लिखाने के पूर्व पुलिस ने कहा गलती तुम लोगों की है। रिपोर्ट लिखाने से पहले पुलिस को कैसे पता चला ? क्षेत्रीय लोगों को क्यों काम नहीं देते है? क्या हमारे क्षेत्र के लोग नौकरी के लायक नहीं है ? बाहरी लोगों को रख लिया जाता है। सामाजिक नैतिक आर्थिक विकास के साथ चलना है। कितने पौध काटे गए हैं कितने लगाए गए हैं क्या उसे बताया गया है? लोगों को खरीदा गया है। पॉवर जनरेटिंग उतनी हो जितनी आवश्यकता हो। छ.ग. राज्य का दोहन हो रहा है। यहां की काली मिट्टी है जिसका पी.एच. 7.2 है। जो उपजाऊ हैं। यह जनसुनवाई नहीं है ढकोसला है। पर्यावरण का विनाश कर रहे हैं विकास नहीं। क्षेत्रीय लोगों को 40 प्रतिशत रोजगार मिलना चाहिए। क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगायें। विकास चाहिए तो सीएसआर मद का सदुपयोग करें। इस जन सुनवाई को निरस्त करें। पूरे क्षेत्र को सूचित करें। यह धोखा है, छल कपट है। पर्यावरण के विकास के लिए ऐसा फैक्ट्री नहीं चाहिए।

71. लीलाधर चौधरी, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी , पुसौर – कंपनी द्वारा तालाब गहरीकरण, पानीटंकी निर्माण, पेयजल व्यवस्था कार्य सराहनीय है। पेड़ पौधा लगाना चाहिए। शिशु मंदिर प्रायमरी स्कूल में अहाता निर्माण किया जाना चाहिए।
72. सुरेन्द्र पंडा, महामंत्री, रायगढ़ – कंपनी का प्रथम जनसुनवाई हुई थी। क्षेत्र के विधायक नंद कुमार पटेल ने स्थानीय लोगों को बुलाकर सुनवाई की गई थी। कंपनी के अधिकारियों ने सभी गांव में घूमघूमकर सी.एस.आर के तहत् विकास कार्य किए हैं। लोहरसिंह में मेडिकल कॉलेज हेतु पहल हुई है। क्या पहल हुई है, कृपया बताया जाये? समर्थन।
73. मिनकेतन पटेल, रैबार – कंपनी विकास कर रहा है। समर्थन।
74. मुमताज भारती, सी.पी.आई. कार्यकारी सचिव, रायगढ़ – पत्र जमा किया गया।
75. गजानंद प्रधान, बड़े भंडार – जब से कंपनी आई है इस क्षेत्र में हल्ला गुल्ला होता रहता है। मैं मंदिर में रहता हूँ कंपनी का जमीन जा रहा है। 2 साल हो गया है। यहा गाय भैंस चराने लायक नहीं है। हमारे गांव की पवित्र भूमि को पाट दिया है। उसे हटाने के लिए मैं प्रशासन से निवेदन कर रहा हूं। मंदिर का जमीन कंपनी को मिल गया है। इस जमीन में ढलाई कर दें कहा तो कंपनी ने कहा हम नहीं करेंगे। मैं मंदिर में स्वयं 5 लाख लगा चुका हूं। जनता बोलते है पैसा कंपनी दे रहा है।
76. फणीन्द्र कुमार सिदार, सरवानी – कोरबा वेस्ट कंपनी से मैं संतुष्ट हूं। समर्थन।
77. ठाकुर सिंह पटेल, छोटे भंडार – समर्थन।
78. मनीराम पटेल, छोटे भंडार – समर्थन। कंपनी के जनरल मैनेजर चौपड़े का तारीफ करता हूँ। गांव वाले ने जो चाहा है उसे पूरा किया है। विकास कार्य में ध्यान दिया जाना चाहिए। शिक्षा के लिए स्कूल और इलाज के लिए हॉस्पिटल की मांग करता हूं। मॉडल स्कूल और हॉस्पिटल का निर्माण कराया जाये।
79. चित्रसेन सिदार, बोंदा – हमारे गांव में कंपनी द्वारा पिछले साल से मुर्गीपालन कार्य व मशरूम का खेती किया जा रहा है जिससे गांव का विकास हुआ है। समर्थन।
80. जीवन पटेल, सरपंच, छोटेभंडार – खेल मैदान चाहिए। तालाब चाहिए।
81. प्रेमलाल पटेल, सरपंच, परसदा, जिला–जांजगीर–चांपा – गांव मे सीसीरोड बन रहा है जो ठीक से बन रहा है। ग्राम भिलाईगढ़ से परसदा तक डामरीकरण किया जाये। पीने के लिए पानी टंकी की मांग करता हूं। मेरे गांव का कंपनी पूरा ध्यान दें। समर्थन।
82. रोहितास पटेल, छोटे भंडार – धरती हमारी माता है। कंपनी रोजगार देने की बात कही है बहुत सारे स्थानीय लोग बेरोजगार है। झारखंड, बिहार, दिल्ली से लोग आकर नौकरी कर रहे हैं। कंपनी पहले रोजगार दे।
83. लोकनाथ पटेल, छोटे भंडार – समर्थन।

84. राजेश त्रिपाठी, जनचेतना मंच, रायगढ़ – केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की 14 सितंबर 2006 की अधिसूचना का अध्ययन करने पर लिखा है कि कंपनी के आवेदन के 45 दिन के अंदर जनसुनवाई का आयोजन किया जाना है। अगर किन्हीं परिस्थितियों में 45 दिन के अंदर जनसुनवाई आयोजित नहीं की जाती है तो एक समिति गठित की जायेगी वह समिति जनसुनवाई करेंगी। यह जनसुनवाई असंवैधानिक है। जिला कलेक्टर एवं एडीएम स्तर के अधिकारी द्वारा ही जनसुनवाई कराई जा सकती है। लेकिन इस लोक सुनवाई में एडीएम से नीचे स्तर के अधिकारी द्वारा जनसुनवाई कराई जा रही है जो असंवैधानिक है। इसे जन सुनवाई के पहले की जन सुनवाई में 16 बिंदुओं पर चर्चा की गई थी। इसके बावजूद भी 80 प्रतिशत युवा बेरोजागार है। कंपनी के अंदर 2 से ढाई हजार लोग बिहार, झारखंड, एवं अन्य राज्यों से काम कर रहे हैं स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया जाता है। ऐसे बहुत से काम हैं जिसमें यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जा सकता है। स्थानीय लोगों को रोजगार देने से यूनियन बनेगा इसलिए स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया जाता है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा केवल वादा कर दिया जाता है वह सिर्फ कागज तक सीमित हो जाता है। कंपनियों के अंदर जिन किसानों की जमीन गई है उसे नौकरी नहीं उसे कंपनी में हिस्सेदारी चाहिए जिससे वहां के लोग विस्थापन का शिकार न हो। महिलाओं को परिवार चलाना होता है बच्चों का पालन करना होता है। महिलाओं पर जो दुष्प्रभाव पड़ेगा उस पर कंपनी ने आजतक आंकलन नहीं किया है। कंपनी लोगों को राशन दिलाने, नौकरी दिलाने में दिलचस्पी लिए होती तो आज ऐसी स्थिति नहीं बनती। 40852 बच्चे आज भी कुपोषण का शिकार है तो विकास कहां हुआ ? हम रोटी रोजी के तलाश में दूसरे राज्यों में नौकरी के लिए भटक रहे है। महानदी से आज तक पाईप लाईन के माध्यम से पानी नहीं आ पाया है। कंपनी द्वारा भूजल स्तर का दोहन किया जा रहा है। कंपनी ने छिपाया है कि हमारे ऊपर कोई कोई प्रकरण दर्ज नहीं है। जबकि पर्यावरण विभाग द्वारा बताया कि इनके ऊपर न्यायालयीन प्रकरण दर्ज हैं। स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार देने की बात कही गई थी। आज तक न ही स्कूल खुला, न आईटीआई खुली है। कंपनी ने पुराना वादा जो किया था जो आज तक पूरा नहीं हुआ है। कंपनी को पर्यावरण स्वीकृति क्यों दी जाये ? और पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं दी जानी चाहिए। 138 हेक्टेयर जमीन, तालाब की, मरघट की गोचर की उद्योग ने अधिग्रहण किया है। गांव में 40 मीटर की सड़क बन रही है जहां जाम नहीं होता है। वहाँ 40 मीटर सड़की की क्या जरूरत है ? रायगढ़ जिले में सैकड़ो तालाब को उद्योगपतियों ने राख से पाट दिया। वन भूमि, मंदिर, गोचर की भूमि कब्जा कर लिया है। कोरबा वेस्ट ने भी 400 एकड़ जमीन मंदिर, गोचर, मरघट की जमीन पर कब्जा कर लिया है। उसकी जांच करें। जमीन को खाली करवाया जाये और ऐसे लोगों के खिलाफ अपराधिक मामला दर्ज किया जाये और सजा दी जाये। इस पर कार्यवाही की जाये।

85. ललिता गुप्ता, ठेंगागुढ़ी – आंगनबाड़ी में कोरबा वेस्ट की तरफ से काम कर रही हूँ।

86. हरिप्रिया माली, पुसौर– नंदी फाउंडेशन से जुड़ी हुई हूं। कंपनी इसका सहयोग कर रहा है।

87. सुधा चौहान, बड़ेभंडार – समर्थन।

88. पुष्पा कुमारी सिदार, सिहा – आवेदन दिया

89. बरतमती निषाद, ठेंगागुढ़ी – आवेदन दिया

90. केकती सिदार, कलमा – मुर्गीपालन कर रही हूं। समर्थन।

91. पद्मा सिदार, अमलीभौना – मुर्गीपालन कर रही हूं। समर्थन।

92. हेमबाई सिदार, बोंदा –
93. सत्रुका प्रजापति, कोरबा – कंपनी की तरफ से मेरे द्वारा सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कंपनी बहुत अच्छे से ध्यान दे रही है। समर्थन।
94. अर्चना तिर्की, रायगढ़ – गांव में विकास का काम करते हैं। समर्थन।
95. सुमित्रा, बोंदा – आवेदन दिया।
96. सरिता मराठा , पुसलदा – समर्थन।
97. बुधियारी ओगरी, गढ़ उमरिया – गांव मे अच्छा विकास हो रहा है।
98. अनारी बाई, लिटाईपाली – आवेदन दिया।
99. सावित्री सिदार, लिटाईपाली – समर्थन।
100. श्वेता पुरी, नंदेली – समर्थन।
101. अनिता राणा, चंडी – सिलाई मशीन चाहिए।
102. सरिता सिद्‌दकी, चंडी – सिलाई मशीन चाहिए।
103. मधुसूदन पटेल, छोटेभंडार – कंपनी द्वारा आई.टी.आई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समर्थन।
104. दिनेश कुमार पटेल, छोटे भंडार– कंपनी द्वारा आई.टी.आई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समर्थन।
105. ठाकुर राम पटेल, छोटे भंडार – समर्थन।
106. साखीराम विश्वकर्मा, छोटेभंडार – 4 साल से कंपनी में नौकरी कर रहा हूं। मैं और मेरा परिवार कंपनी का समर्थन करते हैं। कंपनी हमारी भलाई के आया है। विकास के लिए हमारे जी.एम. साहब का सहयोग करें। मैं पहले साइकिल से जाता था और अब मोटर साइकिल से जाता हैं और क्या चाहिए ?
107. गंगाराम सारथी, कोतमरा – कंपनी में जिनकी जमीन गई है उसे ही आईटीआई में प्रशिक्षण दिया जा रहा है आसपास के लोगों को क्यों नहीं प्रशिक्षण दिया जा रहा है ?
108. बजरंगलाल डनसेना, कोटमरा – जिन लोगों की जमीन अधिग्रहण में नही जा रही है उसे भी आई.टीआई में प्रशिक्षण दिया जाये।
109. रामेश्वर सिदार, कोतमरा – सभी गांव के लोगों को प्रशिक्षण दिया जाये। समर्थन।
110. मुकेश सिंह यादव, बरपाली – समर्थन।
111. कंवर कुमार भारती, बरपाली – समर्थन।
112. निलेश कुमार महाराणा, पुसौर – नंदी फांउडेशन में 1 वर्ष से काम कर रहा हूं। हम स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए काम कर रहे है। शिशु मृत्युदर को कम करने केलिए काम कर रहे है। प्लांट का हमे सहयोग मिल रहा है। समर्थन।
113. सुरेश पटेल, रायगढ़ – समर्थन।
114. सविता रथ, जनचेतना मंच, रायगढ़ – निम्न बिंदुओं पर अपना विरोध करती हूं। शिशु मृत्युदर एवं महिला मृत्युदर पर काम किया गया है ऐसा बताया गया है। आज हमारे देश में बच्चो एवं महिलाएं कुपोषण का शिकार हो रही है। गरीब आदिवासी की जमीन ली जा रही है। जिनकी जमीन ली जा रही है उसका क्या लिखित करारनामा किया गया है? महिलाओं एवं बच्चों के लिए कंपनी ने क्या काम किया है? क्या यहां के स्थानीय लोगों में इतनी क्षमता नहीं है कि आपकी मैनेजमेंट बॉडी में काम कर सके। कंपनी द्वारा आज तक इंजीनियरिंग कॉलेज, आई.टी.आई. कॉलेज नहीं खोला गया है। कंपनी द्वारा पढ़े लिखे कितने महिलाओं को नौकरी दिया गया है? उसका क्या आंकड़ा कंपनी के पास है। कंपनी में स्थानीय लोगों को कितना प्रतिशत लाभांश दिया जायेगा इसका जवाब कंपनी से चाहिए। कंपनी के अंदर जो दुर्घटनाएं होती है उसकी कोई नियमावली सरकार को सौंपी गई है। स्थानीय लोगों का बीमा कंपनी द्वारा करवाई गई

है। रायगढ़ से यहां तक रोड की स्थिति बहुत खराब है। कंपनी द्वारा फ्लाई एश किस गांव में रखा जायेगा इसकी क्या जानकारी दी गई है ? फ्लाई एश को कहां खपा रहे हैं और कहां खपायेंगे ? कंपनी द्वारा पानी महानदी से लिया जायेगा कहा गया है। महानदी से कितनी सारी कंपनियों द्वारा पानी लिया जायेगा। इसका अध्ययन करवाया गया है कि महानदी में पानी देने की क्षमता है क्या? कंपनियों से अलग–अलग राज्यों से जो मजदूर आ रहे हैं जिससे महिला हिंसा का ग्राफ बढ़ रहा है। महिला हिंसा को रोकने के लिए इस क्षेत्र में क्या महिला थाना स्थापित किया जायेगा? इस क्षेत्र के लोगों को और बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए कंपनी क्या कर रही है? कंपनी का पुरजोर विरोध करती हूँ। यह जनसुनवाई बंद कर दी जानी चाहिए।

115. बसंत कुमार पटेल, कोड़ातराई – कर्मदक्ष के द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण में इलेक्ट्रीशियन के पद पर कार्य कर रहाहूं। समर्थन।
116. परमेश्वर गुप्ता, बड़े भंडार – आसपास के गांव के लोगों की बात सुनी जाये। बाहरी लोगों की बात नहीं सुनी जाये। कंपनी द्वारा सीएसआर में जो काम किया गया है उसका समर्थन करता हूं।
117. राजीव लोचन पटेल, बड़े भंडार – समर्थन।
118. उमेश पाडी, बड़ेभंडार – समर्थन।
119. जगन्नाथ यादव, कोतासुरा – हमे लाभ–हानि के बारे में सोचना चाहिए। तालमेल बैठाये रहना सबसे उत्तम है। कंपनी द्वारा कहा जाता है कि मैं प्रशासन को खरीद लेता हूं। इससे मुझे दुख हुआ है। सबको समान अधिकार मिलना चाहिए। सबको सुविधा देनी चाहिए।
120. प्रेमानंद, कोतमरा – कंपनी की तरफ से साग–सब्जी उगाने हेतु जमीन दिया गया है। कंपनी का समर्थन।
121. कपिल पटेल, रतनपुर, बिलासपुर – मैं कर्मदक्ष में काम कर रहा हूं। कंपनी द्वारा जीविकोपार्जन हेतु काम कर रहा है। समर्थन।
122. सुनील कुमार गुप्ता, लिन्झीर – कंपनी बहुत अच्छा काम कर रही है। हमारे क्षेत्र के नौजवानों को अधिक से अधिक संख्या में नौकरी दें।
123. मूलचंद सिदार, सरवानी – कंपनी ने सीएसआर के तहत सीसीरोड, ब्रिकमेंट, जैसे विकास कार्य किया है जो सराहनीय है। कंपनी आईटीआई करवा रहा है और रोजगार दिया जा रहा है।
124. सपन कुमार चौहान, बरपाली – समर्थन।
125. मनोज कुमार विश्वकर्मा, सरवानी – समर्थन।
126. जगदीश विश्वकर्मा, सरवानी – समर्थन।
127. धमेंद्र कुमार उपाध्याय, लिन्झीर – समर्थन।
128. चंदन गुप्ता, लिन्झीर – पढ़े लिखे नौजवानों को रोजगार दिया जाये। समर्थन।
129. जयकरन सिदार, सरवानी – लिखित आवेदन दिया । समर्थन।
130. पुनीराम, बरपाली – तालाब गंदा हो गया है। रोड कीचड़ हो गया है। आने जाने की समस्या है। तालाब एवं रोड की सफाई कर दें। समर्थन।
131. गुलाब राम डनसेना, सेमरा – कई काम था जो सरकार की तरफ से नहीं हुआ था। तालाब खुदाई हुआ। पानी टंकी बनने वाला है। समर्थन।
132. कमलकांत कश्यप, रायगढ़ – सीएसआर के अंतर्गत सिलाई सेंटर, मुर्गीपालन ट्रेनिंग चल रहा है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाये। समर्थन।
133. फूलसाय सिदार, अमलीभौना – कंपनी बैठने से मेरा आपत्ति है।

134. अर्जुन निषाद, अमलीभौना – कंपनी जमीन ले चुकी है। एक लड़का को आईटीआई में रखा है। समर्थन। 4 गांव के लोगों को नौकरी मिले उसके बाद बाकी लोगों को नौकरी दिया जाये।
135. कांता सिदार, कोतमरा – महिलाओं के लिए सिलाई कड़ाई प्रशिक्षण दिया जा रहा है उसमें सिलाई सिखने आ रही हूं। समर्थन।
136. नीता सिदार, कोतमरा – महिलाओं के लिए सिलाई कड़ाई प्रशिक्षण दिया जा रहा है उसमें सिलाई सीखने आ रही हूं। समर्थन। यह हमेशा चलते है। भविष्य में इसका फायदा मिलता रहे।
137. सरिता सिदार, कोतमरा – सिलाई सीखने आती हूं। बहुत लोग सीखने आते हैं। यह सिलाई सेंटर हमेशा चलता रहे। समर्थन।
138. सविता चौहान, कोतमरा – समर्थन।
139. वेदमती, बोंदा – समर्थन।
140. जंबो बाई सिदार, बोंदा – समर्थन।
141. विनोद कुमार श्रीवास, बुनगा – समर्थन।
142. तपन गुप्ता, बांदीमाल – समर्थन।
143. सुदर्शन कुमार, बांदीमाल – समर्थन।
144. मोतीलाल गुप्ता, पुसल्दा – लिखित में समर्थन।
145. राकेश कुमार बघेल, बघौत – समर्थन।
146. मिनकेतन गुप्ता, पुसल्दा – समर्थन।
147. भोजकुमार सिदार, अमलीभौना – समर्थन।
148. मिनकेतन सिदार, बड़ेभंडार – विकास के साथ हानि होती है। हमे विकास को ध्यान देना चाहिए। आईटीआई प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात कंपनी में काम दिया जाये। विरोधके साथ अच्छाईयों को ध्यान देना चाहिए। रोड खराब हो चुका है। मेरा निवेदन है कि हमारे इस कारण को समझे और उचित साधन उपलब्ध कराये। समर्थन।
149. संदीप कुमार प्रधान, बड़े भंडार – समर्थन।
150. अमित कुमार प्रधान, बड़ेभंडार– समर्थन।
151. ईश्वर प्रसाद गुप्ता, बड़ेभंडार – समर्थन।
152. कमल किशोर निषाद, बड़ेभंडार – समर्थन।
153. पद्मलोचन सिदार, अमलीभौना – समर्थन।
154. सरोज कुमार सिदार, अमलीभौना – समर्थन।
155. भवानी शंकर सिदार, सरवानी – समर्थन।
156. जसकेतन सिदार, सरवानी – समर्थन।
157. सुनील कुमार सिदार, सरवानी – समर्थन।
158. शशिकुमार सिदार, सरवानी – समर्थन।
159. सीताराम मालाकार, कोतमरा – समर्थन।
160. ओमकार पटेल, सूपा – मैं डिप्लोमा होल्डर हूं। कंपनी में बायोडाटा जमा किया हूं।
161. प्रशांत सिंह राजपूत, किरोड़ीमल – बेरोजगारों का रोजगार दे। समर्थन करें।
162. ब्रजेश कुमार भारती रायगढ़ – समर्थन।
163. मनीराम सिदार, बासनपाली – समर्थन। उपस्वास्थ्य केंद्री की मांग है।
164. भरत लाल यादव, बासनपाली – समर्थन।
165. अनंत राम सिदार, बासनपाली – समर्थन।
166. लालदास महंत, बासनपाली– समर्थन।
167. सोहनलाल सारथी, सरवानी – समर्थन।

168. उल्लास कुमार साव, बड़े भंडार – समर्थन।
169. शिवशंकर सिदार, बड़ेभंडार – समर्थन।
170. पुनीराम सिदार, सरवानी – समर्थन।
171. श्रवण कुमार पटेल, छोटे भंडार– समर्थन।
172. अक्षय कमार सारथी, सेमरा – टंकी निर्माण पूरा करें। समर्थन।
173. विजय सुरगे, किरोड़ीमल – कंपनी का विरोध करता हूं। कंपनी में ईएसपी लगाये जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम हो सके। जिस जिस का जमीन खरीदा गया है उसके घर के युवा सदस्य को रोजगार दिया जाये। तब मैं कंपनी का समर्थन करता हूं।
174. युवान वर्गिस, रायगढ़ – बेरोजगार भाई बहन को रोजगार दिया जाये। पेड़ पौधे लगाया जाये।
175. शहनवाज खान, अध्यक्ष, युवा हेल्प क्लब, रायगढ़ – स्थानीय लोग विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रसित होंगे। प्रदूषण से आसपास का फसल नुकसान होगा जिसका मुआवजा कंपनी को देना होगा। स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी नहीं होनी चाहिए। जब हम बोर खुदवाते हैं तो शासन से परमिशन लेना होता है। कंपनी द्वारा जितना पानी चाहिए वह लेते हैं उसके लिए शासन को सूचना नहीं दी जाती है। कंपनी जितना पानी ले रहे है उसका निरीक्षण करें। आसपास के क्षेत्र में पेड़ों की कटाई से आक्सीजन कम होगा। जहरीले गैस बढ़ेंगे। कंपनी से आग्रह है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाया जाये। गांव वालों का किसी भी प्रकार से शोषण नहीं करें। गांव के लोगों को रोजगार देना होगा। महिलाओं के लिए लघु एवं कुटीर उद्योगों का प्रबंधन करना होगा। कंपनी ऐसा करती है तो हम कंपनी का समर्थन करते हैं।
176. अमरिक सिंह, रायगढ़ – कंपनी युवाओं को रोजगार प्रदान करती है तो हम समर्थन करते हैं। नहीं तो विरोध करेंगे।
177. सागर कुमार, चिरईपाली – धान उगाने के लिए जमीन की जरूरत होती है। कंपनी द्वारा प्लांट लगाने के लिए ज्यादा से ज्यादा जमीन खरीदी जा रही है। हर गावं में प्लांट लगाने से गांव के सदस्यों का आवास प्रभावित होगा। सभी को एक समान माना जायें
178. खोजेन्द्र पटेल, छोटेभंडार – समर्थन।
179. गुढ़निधि सिदार, तेतला – हमारे गांव में कंपनी ने बहुत अच्छे ढंग से कांक्रीटीकरण काम किया है। हमारे तालाब का गहरीकरण किया जाये। स्कूल का अहाता निर्माण किया जाये। समर्थन।
180. शरददेव प्रसाद वैष्णव, रावणखोंदरा – कंपनी द्वारा तालाब गहरीकरण एवं गली कांक्रीटीकरण कार्य किया गया है वह अधूरा है। उसे पूरा किया जायें।
181. सीताराम यादव, पंच, तेतला– पानी टंकी चाहिए।
182. अमित कुमार साहू, कुचिदा – समर्थन।
183. वैद्यनाथ पटेल, सरपंच, लिटाईपाली – गांव में तलाब गहरीकरण कार्य हुआ है वह बहुत अच्छी तरह हुआ है। तालाब में पचरी निर्माण किया गया वह ठेकेदार के माध्यम से किया गया है। पचरी का मेजरमेंट दिया गया है वह सही नहीं हुआ है। उसका रेट आज दिनांक तक नहीं मिला है। उसका सही मुआवजा दिलाया जाये। कंपनी के सीएसआर की राशि को उस गांव के सरपंच को ग्राम पंचायत एवं कलेक्टर महोदय एजेंसी बनाकर कार्य करवाया जाये। जहां स्वास्थ्य केंद्र नहीं है वहां स्वास्थ्य केंद्र खोला जाये एवं गांव का विकास कार्य किया जाये। समर्थन।
184. दिलेश गुप्ता, सरपंच, तेतला – कंपनी द्वारा बहुत अच्छा कार्य किया गया है। युवा वर्ग को योग्यतानुसार रोजगार दिलाया जाये। महिलाओं केलिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की

मांग की गई थी उसे भी पूरा करवाया जायें । पूर्व में मेडिकल कॉलेज की मांग की गई थी उस कार्य पर पहल कर विस्तार कार्य किया जाये। कंपनी द्वारा लागों की आशाओं को ध्यान में रखकर काम पूरा किया जाये।

185. अरविंद कुमार प्रधान, पुसौर – कंपनी जितना पानी अपने उपयोग के लिए लेरही है कंपनी द्वारा पानी का एक स्त्रोत गांव के लिए भी लाया जाये जिसे गर्मी के दिनों में नाले में डाल दिया जाये जिससे पानी की समस्या समाप्त हो जायेगी। मेडिकल कॉलेज के लिए भूमिपूजन किया जाये। कंपनी में ब्लॉक स्तर के बच्चों को नौकरी में प्राथमिकता दी जाये। यहां इंजीनियरिंग कॉलेज खोला जाये और उन्हीं बच्चों को नौकरी में रखा जाये। कंपनी में बाहर के लोगों को रखा गया है। जो विवाद हुआ है उसे सुलझाना चाहिए। जो बच्चे काम मांग रहे थे उसे तत्काल नौकरी दिया जाये। कलेक्टर द्वारा कंपनियों के लिए रोड चौड़ा कराया जा रहा है कंपनी बढ़ रही है जिससे आवागामन का साधन बढ़ रहा है। प्रत्येक रोड के किनारे वृक्षारोपण किया जाये। गांव के अंदर से रोड निकाला जाता है तो पूरा गांव बर्बाद हो जायेगा। बाईपास रोड की आवश्यकता है।
186. सुरेन्द्र महीस, रायगढ़ – कंपनी तपरदा में अच्छा काम की है। पेयजल सुविधा, बाजार सुविधा, टंकी निर्माण किया है। आने वाले समय में कंपनी का सहयोग किया जायेगा। आसपास के गांव के लोग कंपनी में काम के लिए बायोडाटा जमा किये थे उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई है। इस पर ध्यान दिया जाये।
187. खगेश्वर रात्रे, तपरदा – बड़ेभंडार के विद्यालय में शौचालय की व्यवस्था करवाया जाये। हमारी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षकों को जनगणना में लगा दिया गया है। हम विद्यार्थी की जो पढ़ाई होना चाहिए वह नहीं हो पा रहा है। शिक्षकों की कमी को पूरा करें जिससे हमे अच्छी शिक्षा मिल सके।
188. राजकुमार सिदार, सरवानी – जमीन दिया हूं। हमे डेली काम दिया जाये।
189. दिलचंद, सरवानी – समर्थन।
190. खेमराज पटेल, जतरी – पुसौर ब्लॉक में मेडिकल कॉलेज खोला जाना था। 3 साल हो गए हैं। अब तक किसी तरह का अमल नहीं किया गया है। इसमें जल्द से जल्द कार्य प्रारंभ किया जाये और समय सीमा में काम पूरा किया जाये। जमीन का 10 प्रतिशत लीज राशि अभी तक नहीं मिला है।
191. उसतराम सिदार, बड़ेभंडार – समर्थन। मैं भूमिहीन हूं। हमे कंपनी मदद करें।
192. कैलाश सिदार, सरवानी – प्लांट बढ़ता जाये।
193. कार्तिक राम विश्वकर्मा, सरवानी – कंपनी ने गांव में बहुत काम किया है। समर्थन।
194. खीरसागर गुप्ता, बड़ेभंडार – कंपनी में जमीन गई है। हम दो भाई हैं। हम कंपनी में आवेदन किया है। कंपनी काम देने के लिए आश्वासन दी है। समर्थन।
195. भीमसेन दुबे, तुरंगा – कंपनी की द्वितीय सुनवाई की जा रही है। कंपनी को आये 2 साल हो चुके हैं। कंपनी ने अपने वादे के अनुसार 10 लाख एकड़ के अनुसार मुआवजा दिया है। बेरोजगारों को रोजगार देने की बात कही गई थी वह दी गई है। प्रभावित परिवार के बच्चे आईटीआई में ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। भविष्य में कंपनी में मेडिकल हॉस्पिटल जन सुविधा को ध्यान में रखकर खोलने वाली थी। मेडिकल कॉलेज हेतु जमीन उपलब्ध नहीं करा पाई है जो लंबित है। बाढ़ पीड़ित आपदा के लिए कंपनी ने तालपत्रियों का वितरण प्रशासन के आदेशानुसार किया गया। यहां के स्थानीय लोगों को रोजगारमूलक समस्या में विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। भूमिहीन व्यक्तियों की समस्याओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाये। कंपनी जनताओं के हित हेतु प्रयास करे।

196. रमेश अग्रवाल, जनचेतना, रायगढ़ – बेरियर बेरीकेट्स यह हमारे आपके बीच की दीवार है। प्रशासन को किस बात का डर है। हमारी जनता उग्र नहीं है जिससे प्रशासन को खतरा हो। मेरा आग्रह है कि भविष्य की जनसुनवाई अच्छे मौहाल में करवायें। जनसुनवाई की प्रकिया के बारे में हर बात मंच पर उठाया जाता है। शासन के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं कर पाते हैं, तो इस जनसुनवाई का क्या औचित्य है। जनसुनवाई करवाने के पहले ई.आई.ए. रिपोर्ट बनानी होती है उसके लिए टीओआर निर्धारित होती है। उसी के आधार पर जनसुनवाई करवाया जाना चाहिए। दिनांक 28. 03.11 को पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव ने क्षेत्रीय अधिकारी को पत्र लिखा उसमें कहा गया कि भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के टीओआर को ईआईए में शामिल करने की दशा में लोक सुनवाई कराया जाये। आज की जो जन सुनवाई हो रही है उसका कार्यवाही विवरण बनेगा, क्या उसे प्राप्त करने के लिए सूचना जानने के अधिकार में आवेदन करने की आवश्यकता है? कंपनी जो स्टडी की है वह सिर्फ अपने प्लांट को ध्यान में रखकर की है। क्षेत्र के आसपास 40 से 50 पावर प्लांट प्रपोज्ड है। उन प्लांटों से लोगों को जो प्रभाव होने वाला है उसकी स्टडी कहां है? अभी तक जितनी भी जनुसनवाई हुई है वह अपने प्लांट तक ही सीमित रही है। क्या महानदी से केवल यही प्लांट पानी लेगा? 40 से 50 पावर प्लांट महानदी से पानी लेने वाला है और उसके लिए बरॉज का कार्य भी चालू है। इतने सारे पावर प्लांट एक महानदी से पानी लेंगे तो उसकी स्टडी बहुत जरूरी है। क्या हमारे महानदी में इतना पानी है, कि लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति के पश्चात् उद्योगों को दी जा सकें। उसकी स्टडी कहां है ? शासन उसकी स्टडी नहीं करवायेगी। कंपनी अपने खर्चे पर यह स्टडी करवाये। कल को पानी नहीं मिला तो प्लांट का क्या होगा ? प्लांट को कहां ले जायेंगे? यह विचारणीय है। कंपनी, शासन और आम जनता के हित में है। किसी भी प्रोजेक्ट के लिए 3 हिस्से होते हैं वह पानी, कोयला एवं जमीन है। कोयला कंपनी कहां से लेगा? कलमा बरॉज का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है लेकिन उसकी पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं हुई है। एसईसीएल की खदानों से कोयला आयेगा ऐसी जानकारी हुई है। जिन खदानों से कोयला आयेगा क्या उसकी पर्यावरणीय स्वीकृति हो चुकी है? कोयला, पानी, फ्लाई एश, बिजली आदि का पर्यावरणीय अध्ययन न करें तो ऐसी ईआईए का क्या महत्व है? कोयला कैसे लायेंगे उसका इम्पेक्ट देखना होगा। रोड एक्सीडेंट की समस्या बढ़ेगी। हमारी सड़के क्या इतनी सक्षम है कि अतिरिक्त भार को सहन कर सके। यदि रेल से लाते हैं तो उसका रूट बताना चाहिए। सॉलिड वेस्ट की समस्या एक गंभीर समस्या बनी हुई है जिसमें सुप्रीम कोर्ट को इंटरफेयर करना पड़ा है। जितनी मात्रा में राख इस प्लांट एवं अन्य प्लांटों से निकलने वाली है उसे हम कहां ले जायेंगे? एश को बंद खदानों में डंप कर देंगे तो कहां है ऐसी खदाने। इन बातों को ध्यान नहीं देंगे तो सारे प्रयास असफल हो जायेंगे। फ्लाई एश जो निकलती है इसका रेडियो एक्टिविटी प्रभाव का जिक्र किसी भी ई.आई.ए. रिपोर्ट में देखने को नहीं मिलता है। रेडियो एक्टिविटी न्यूक्लियर पावर प्लांट से ज्यादा है थर्मल पावर प्लांट में। क्लोरीन गैस का उपयोग पावर प्लांट में उपयोग होता है। यदि कोई सिलेंडर फट जाता है तो इसके लिए क्या शासन के पास कोई उपाय है? उद्योगों को ऐसी दुर्घटनाओं के बारे में सोचना चाहिए।

197. बेलसिंह मैत्री, बुनगा – हमारे गांव में जो टंकी बनाया जा रहा है उसे 6 माह हो गया है उसे पूरा किया जाये। कंपनी से सहमत हूं।

198. राजेश जैन, शिवसेना, रायगढ़ – जब से पावर प्लांट का काम चालू हुआ है उनके सुरक्षा गार्डों द्वारा स्थानीय लोगों के साथ मारपीट की जाती है। कंपनी प्रबंधन स्थानीय

लोगों के साथ सम्मान से रहे। शिवसेना की तरफ से हम कंपनी का समर्थन करते हैं। स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाये। यहां के विकास कार्य में ध्यान रखा जाये। आज तक कोई विकास कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। जो वायदा किया है उसे पूरा किया जाये। किसी भी तरह का प्रदूषण न हो। फ्लाई एश के व्यवस्था हेतु एश का भंडारण डेम बनाकर करे।

199. राकेश कुमार यादव, रायगढ़ – रायगढ़ में जितने उद्योग आए हैं उससे रायगढ़ प्रदूषित हो चुका है। कंपनी जो ईआईए रिपोर्ट बनाई है वह अंग्रेजी में है। वह मुझे समझ में नहीं आई है। शासन ने लोगों को एजुकेट नहीं किया कि यह जनसुनवाई किस कारण से करवाई जा रही है ? पर्यावरण के मुद्दों को छोड़ बाकी मुद्दों पर बात की जा रही है। ईआईए रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि उस पर कोई प्रशासनिक प्रकरण मामला लंबित नहीं है जो कि गलत है। 33 प्रतिशत क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट डेवलप होना चाहिए। क्या कंपनी ने 33 प्रतिशत क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट डेवलप किया है? एरिया रॉकी है तो क्या उसमें लाइनिंग की आवश्यकता नहीं है ? एश के साथ पॉल्यूटेड वाटर आता है उसमें लाइनिंग की जानी चाहिए नहीं तो ग्रांउड वाटर पॉल्यूटेड होगा। क्या रायगढ़ के लिए कोई लिमिटेशन है कि कितने उद्योग लगाये जायेंगे? कंपनी का घोर विरोध करता हूं।

200. रूपेन्द्र सिंह ठाकुर, कटनी (म.प्र.) – वर्तमान में कंपनी में कार्यरत हूं। मेरे गांव के लड़के कंपनी में काम मांगने जाते है तो धुत्कार दिया जाता है। क्या उस व्यक्ति को काम की आवश्यकता है जिसके पास लाखों करोड़ो रूपया है ? या उस व्यक्ति को काम की आवश्यकता है जिसके पास जमीन नहीं है। गांव के लड़के काम मांगने जाता है तो आप लोकल हो। क्या अगर लोकल आदमी आता है उसका जमीन नहीं गया है न उसके पास रोजगार का साधन है तो उससे लोकल हो कहकर धुत्कारा जाता है। गांव के जितने भी लोग काम के तलाश में जाते है उसे अच्छे से पेश आए। समर्थन।

201. सोमनाथ सिदार, सरपंच, बोदा – समर्थन।

202. बनवारी लाल पटेल, उपसरपंच, छोटेभंडार – तालाब की सफाई कराया जाये। समर्थन।

203. संजय नायक, सुर्री सरपंच – समर्थन।

204. शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, कटनी – समर्थन।

205. अजय कुमार प्रधान , बड़े भंडार – समर्थन।

206. दीपक पाण्डेय, तपरदा – किसी जिले का विकास तभी होता है जब उद्योग लगता है। पानी टंकी निर्माण, बाजार निर्माण कार्य कंपनी द्वारा किया गया है। कंपनी का मैं पूरा समर्थन करता हूं। स्थानीय लोगों को रोजगार मिले।

207. दीवाकर प्रधान, बड़ेभंडार – समर्थन।

208. नत्थू लाल साहू, बुनगा – यहां आईटीआई की स्थापना किया जाये। जिससे हमारे लड़के–लड़किया प्रशिक्षण ले सके। शिक्षा का क्षेत्र बहुत पिछड़ा हुआ है। कंपनी में प्रशिक्षण देकर काम दिया जाये। पेड़ पौधा इस अंचल में लगाना अत्यंत आवश्यक है। समर्थन।

209. बाबूलाल गुप्ता, उपसरपंच, बुनगा – कंपनी की तरफ से गांव में सीसी रोड का काम किया गया है। 2 टंकी का निर्माण किया जा रहा है। बोर खनन का कार्य किया गया है। तालाब का गहरीकरण किया जाये एवं सौंदर्यीकरण किया जाये। समर्थन।

210. कृष्ण कुमार साव, बड़े भंडार – कंपनी, हमें प्रशिक्षण के दौरान रोजगार दिया जाये।

211. तरूण कुमार प्रधान, बड़ेभंडार – समर्थन। गांव में मंदिर निर्माण चल रहा था वह कार्य अधूरा है उसे पूरा करने में सहयोग करें।

212. पंचराम मैत्री, बुनगा – सब लोग अपने सुख के संबंध में बोलते हैं विकास के बारे में बोलते हैं। जिसे भोजन की आवश्यकता है उसे ही भोजन देना चाहिए। काम उसी को देना चाहिए जिसे काम की आवश्यकता है। आवश्यकतानुसार छोटे बड़े नजरिया न रखते हुए सभी को सुख सुविधाएं प्रदान किया जाये। सबके हितार्थ में सोचे।

213. श्रवण कुमार प्रधान, पड़ीगांव – बाढ़ से कई गरीबों के आवास उजड़ गए हैं। कंपनी पिछले 4 साल से सीएसआर के तहत् काम कर रही है। महानदी के तट पर बसे इन गांवों के बसाहट पर विशेष ध्यान दें। महाविभूतियों पटाला बाई नारी शिक्षा को इस क्षेत्र में जाग्रत किए थे। स्कूल के विकास में कंपनी विशेष ध्यान दें। सदाशिव दास शर्मा के नाम से कार्य करें। विष्णुशरण गुप्ता के गांव को चिन्हांकित कर विकास करें। वृक्षारोपण पर विशेष ध्यान दें।

214. मधुसूदन, बरपाली – रोड, बोरिंग, तालाब, नाला नहीं बनाया जा रहा है। इसे बनाया जाये।

215. महेश कुमार गुप्ता, सूपा – कंपनी के आने से विकास होगा। हमारे क्षेत्र की सुविधा को देखते हुए यहां मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाये। शिक्षा हेतु स्कूल की व्यवस्था की जाये। जैसे जैसे कंपनी का विकास होगा वैसे वैसे ही यहां के लोगों का विकास होगा।

216. शशीभूषण प्रधान, बड़ेभंडार – लिखित आवेदन। समर्थन।

217. लखन लाल मैत्री, बुनगा – किसी घर में बच्चा जन्म लेता है तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या किया जाता है ? कंपनी का स्वागत किया जाता है। मेरा भूमि नहीं गया है तो क्या मैं कंपनी में सेवा नहीं कर सकता ?

218. शिव सिदार, बड़ेभंडार – कंपनी में नौकरी देने की कृपा करें। समर्थन।

219. शिवप्रसाद साव, लारा – यह जन सुनवाई रखी गई है जो पर्यावरण स्वीकृति हेतु रखी गई है। लेकिन पर्यावरण के संबधं में कोई चर्चा नहीं कर रहे हैं। पर्यावरण अनेक प्रकार से दूषित हो चुका है। कितना प्रतिशत दूषित है उसकी जानकारी किसी को नहीं है। इस क्षेत्र में हजारों कंपनियां खुल चुकी है। भविष्य में भूकंप आ सकता है। खनिज संपदा का अनेक फैक्ट्रियों द्वारा दोहन किया जा रहा है। क्या भविष्य में खनिज संपदा उतना ही मात्रा में मिलेगा जो अभी मिल रहा है ? आज विद्युत की कमी नहीं है फिर भी पावर प्लांट छ.ग. में खुल रहे हैं। यदि पावर प्लांट को सीमित रखेंगे तो भविष्य में किसी दूसरे राज्य से विद्युत के लिये मुंह देखना नहीं पड़ेगा। आज किसान बिजली का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। तो दूसरे राज्य से विद्युत खरीदेंगे तो क्या किसान बिजली का भुगतान कर पायेंगे? अधिकांश आदमी प्रलोभन में पड़कर उद्योगों का स्वागत कर रहे है कि हमको पैसा मिलेगा। लेकिन भविष्य के बारे में नहीं सोच रहे हैं। एक फैक्ट्री लगने से हजारो टन कोयले का खपत हो रहा है क्या भविष्य में भी कोयले का भंडार पर्याप्त मात्रा में रहेगा ? खनिज संपदा का दोहन यदि कंपनियां करने लगेगी तो भविष्य में छ.ग. में भूकंप आयेगा। छ.ग. में भरपूर मात्रा में पावर प्लांट की अनुमति न दें उठने की ही अनुमति दे, जितनी की छ.ग. को आवश्यकता है और भविष्य के लिए कोयला बचा कर रखें।

लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण क्षेत्रीय अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकरी , जिला पंचायत, रायगढ़ द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

लोक सुनवाई के दौरान जनता द्वारा उठाये गये मुद्दों के संबंध में उद्योग/कंपनी प्रतिनिधि श्री अजीत कुमार चोपड़े, महाप्रबंधक तथा श्री जे. कुमार, ई. आई. ए. कंसलटेंट ने परियोजना से होने वाले होने वाले प्रदूषण के नियंत्रण हेतु उन्नत एवं नवीन तकनीक अपनायेगी। केन्द्रीय

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली एवं छ.ग. पर्यावरण संरक्षण, मडंल के मानकों का पालन करेगी। प्रदूषण का स्तर मानक से अधिक नहीं होने दिया जायेगा इस हेतु कंपनी आश्वस्त है। हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से मेडिकल कॉलेज खोलने की अनुमति मिल गई है। मेडिकल कालेज खोला जायेगा। युवकों को प्रशिक्षित करने हेतु कंपनी के खर्चे पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रोजगार हेतु प्रदेश सरकार की आरएंडआर नीति के तहत वचन बद्ध है। कृषि के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाता है एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कंपनी विश्वास दिलाती है कि कंपनी द्वारा सीएसआर के तहत् सभी कार्य पूर्ण किये जायेंगे। नाली बनाया जायेगा। 26.10. 2011 को त्रिपक्षीय बैठक हुई थी जिसमें बड़ेभंडार को कंपनी 10 एकड़ भूमि देने वाली थी उसकी जानकारी प्रशासन के पास सबमिट कर दिया गया है। आसपास के क्षेत्र में 750 लोग कार्यरत हैं। इच्छुक व्यक्तियों को कंपनी मदद करेगी। महानदी में कलमा बरॉज बनाया जा रहा है उसका उद्‌देश्य कंपनियों को पानी उपलब्ध कराना है। छ.ग. राज्य भूअर्जन नीति के तहत् जमीन अधिग्रहण कियागया है। महिलाओं को सीएसआर के तहत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। जनता के सुझावों को फाईनल ईआईए रिपोर्ट में सम्मिलित किया जायेगा। योग्यता एवं उपलब्धता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा तथा परियोजना यह कार्य करेगी।

संयंत्र से उत्पन्न होने वाली राख को शुष्क अवस्था में साइलो में रखा जायेगा। बॉटम एश को एश डाईक में रखा जायेगा। बिल्टिक बिल्डिंग कंपनी हमारी सहयोगी संस्थान है। जो फ्लाई एश के क्षेत्र में कार्य कर रही है। कंपनी द्वारा 50 मिट्रिक टन/दिन फ्लाई एश उपयोग में लाया जायेगा। सीमेंट उद्योगों को फ्लाई एश प्रदान किया जायेगा। इस तरह ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन, जल आपुर्ति सामुदायिक विकास तथा लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये समस्त बिन्दुओं पर अपना बिन्दुवार पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान कई लोगों द्वारा लिखित अभ्यावेदन भी प्रस्तुत किया गया। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा सायं 5.30 बजे उपस्थित लोगों के सुझाव, आपत्ति, टीका–टिप्पणी पर कंपनी प्रतिनिधि की ओर से जवाब आने के पश्चात् लोक सुनवाई के समाप्ति की घोषणा की गई।

सही

(जे. लकड़ा)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

सही

(मो. कैसर अब्दुलहक)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत
जिला –रायगढ़ (छ.ग.)